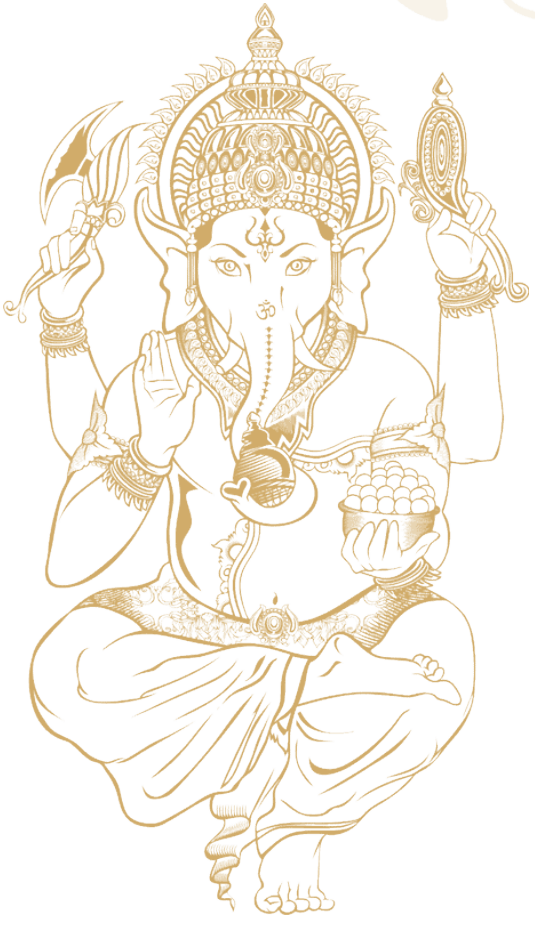

CHANDRASEKHAR

06 Jun 1975

05:45 AM

Gonda

Model: web-freekundliweb

Order No: 121364002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/06/1975**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**05:45:00 घंटे**
इष्ट	01:33:48 घटी
स्थान	**Gonda**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:08:00 उत्तर
रेखांश	81:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:02:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:42:52 घंटे
वेलान्तर	00:01:33 घंटे
साम्पातिक काल	22:38:02 घंटे
सूर्योदय	05:07:28 घंटे
सूर्यास्त	18:54:01 घंटे
दिनमान	13:46:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	21:11:06 वृष
लग्न के अंश	29:20:53 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शोभन
करण	कौलव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चे-चेतन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	29:20:53	342:24:00	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	---
सूर्य			वृष	21:11:06	00:57:27	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	05:56:03	12:23:31	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
मंगल			मीन	18:10:52	00:44:27	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
बुध	व	अ	वृष	28:14:04	00:27:38	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मित्र राशि
गुरु			मीन	24:09:01	00:10:52	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	स्वराशि
शुक्र			कर्क	06:01:27	01:02:00	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	शत्रु राशि
शनि			मिथु	24:01:26	00:06:58	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	मित्र राशि
राहु			वृश्चि	07:23:41	00:01:27	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	शत्रु राशि
केतु			वृष	07:23:41	00:01:27	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	सम राशि
हर्ष	व		तुला	05:14:51	00:01:31	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	---
नेप	व		वृश्चि	16:47:09	00:01:37	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
प्लूटो	व		कन्या	12:59:50	00:00:22	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
दशम भाव			कुंभ	14:19:16	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:31:04

लग्न-चलित

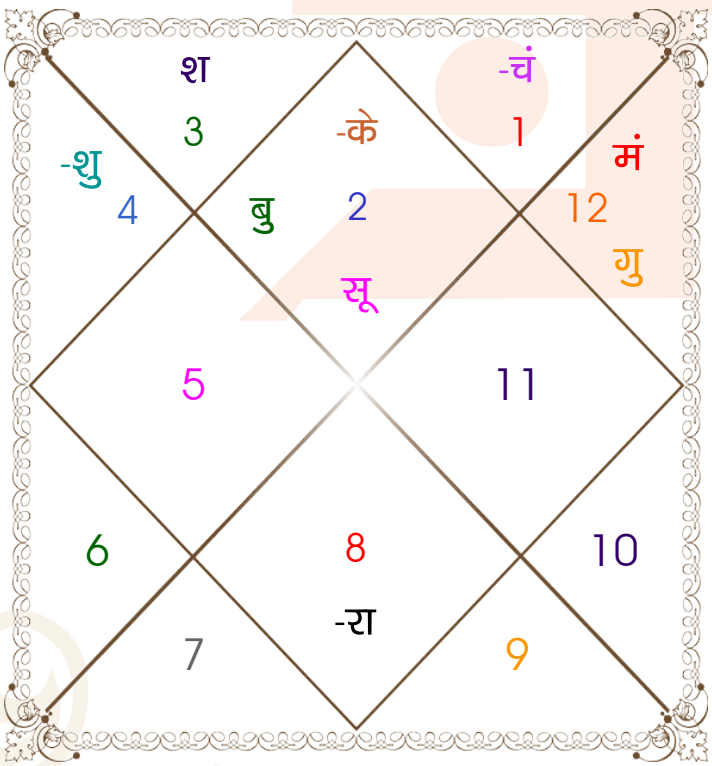

चन्द्र कुंडली

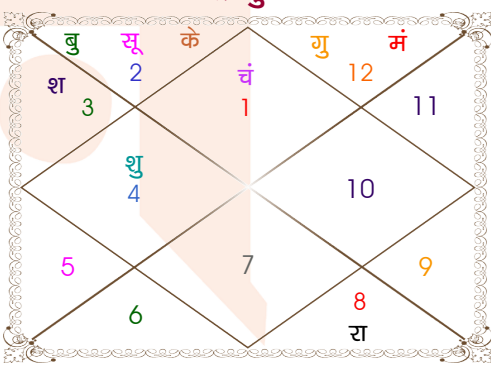

नवमांश कुंडली

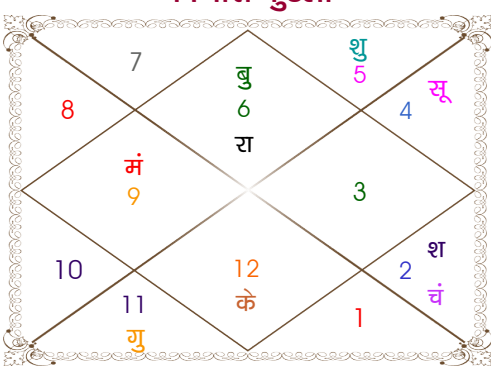

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 10 मास 18 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
06/06/1975		25/04/1979		25/04/1999		24/04/2005		25/04/2015	
25/04/1979		25/04/1999		24/04/2005		25/04/2015		24/04/2022	
	00/00/0000	शुक्र	24/08/1982	सूर्य	12/08/1999	चंद्र	22/02/2006	मंगल	21/09/2015
	00/00/0000	सूर्य	24/08/1983	चंद्र	11/02/2000	मंगल	24/09/2006	राहु	08/10/2016
	00/00/0000	चंद्र	24/04/1985	मंगल	18/06/2000	राहु	24/03/2008	गुरु	14/09/2017
	00/00/0000	मंगल	24/06/1986	राहु	12/05/2001	गुरु	24/07/2009	शनि	24/10/2018
	06/06/1975	राहु	24/06/1989	गुरु	01/03/2002	शनि	23/02/2011	बुध	21/10/2019
राहु	12/04/1976	गुरु	23/02/1992	शनि	11/02/2003	बुध	24/07/2012	केतु	18/03/2020
गुरु	19/03/1977	शनि	25/04/1995	बुध	18/12/2003	केतु	22/02/2013	शुक्र	18/05/2021
शनि	27/04/1978	बुध	22/02/1998	केतु	24/04/2004	शुक्र	24/10/2014	सूर्य	23/09/2021
बुध	25/04/1979	केतु	25/04/1999	शुक्र	24/04/2005	सूर्य	25/04/2015	चंद्र	24/04/2022

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
24/04/2022		24/04/2040		24/04/2056		25/04/2075		24/04/2092	
24/04/2040		24/04/2056		25/04/2075		24/04/2092		00/00/0000	
राहु	04/01/2025	गुरु	12/06/2042	शनि	28/04/2059	बुध	20/09/2077	केतु	20/09/2092
गुरु	31/05/2027	शनि	23/12/2044	बुध	05/01/2062	केतु	17/09/2078	शुक्र	20/11/2093
शनि	06/04/2030	बुध	31/03/2047	केतु	14/02/2063	शुक्र	18/07/2081	सूर्य	28/03/2094
बुध	23/10/2032	केतु	06/03/2048	शुक्र	15/04/2066	सूर्य	25/05/2082	चंद्र	27/10/2094
केतु	11/11/2033	शुक्र	05/11/2050	सूर्य	28/03/2067	चंद्र	24/10/2083	मंगल	25/03/2095
शुक्र	11/11/2036	सूर्य	24/08/2051	चंद्र	26/10/2068	मंगल	20/10/2084	राहु	06/06/2095
सूर्य	05/10/2037	चंद्र	23/12/2052	मंगल	05/12/2069	राहु	10/05/2087		00/00/0000
चंद्र	06/04/2039	मंगल	29/11/2053	राहु	11/10/2072	गुरु	15/08/2089		00/00/0000
मंगल	24/04/2040	राहु	24/04/2056	गुरु	25/04/2075	शनि	24/04/2092		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 10 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।